नोबेल शांति पुरस्कार 2024

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

वर्ष 2024 का **शांति का नोबेल पुरस्कार हिरोशिमा-नागासाकी पर परमाणु बम हमले के उत्तरजीवियों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक जापानी संगठन, निहोन हिदानक्यो को प्रदान किया गया है**, जो परमाणु हथियार मुक्त विश्व का लक्ष्य हासिल करने के लिये अथक प्रयास करता है।

- वर्ष 2023 का नोबेल **शांति पुरस्कार ईरानी मानवाधिकार अधिवक्ता नरगिस मोहम्मदी** को दिया गया था, जो एक अल्पसंख्यक समूह से थीं।
- उन्हें ईरान में महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई और सभी के लिये मानवाधिकारों तथा स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिये उनके संघर्ष के लिये सम्मानित किया गया।

निहोन हिदानक्यो

- **10 अगस्त, 1956 को स्थापित यह संगठन वर्ष 1945** में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा **हिरोशिमा और नागासाकी पर किये गए परमाणु बम विस्फोटों में जीवित बचे लोगों** से बना है।
- बचे हुए लोगों, **जिन्हें "हिबाकुशा" या "बम प्रभावित लोग" कहा जाता है, ने परमाणु हथियारों को समाप्त करने के उद्देश्य से वैश्विक आंदोलन का** नेतृत्व करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जापान पर परमाणु हमला क्या था?

- **6 अगस्त, 1945** को संयुक्त **राज्य अमेरिका ने हिरोशिमा पर "लिटिल बॉय" नामक बम गिराया,** जिसके परिणामस्वरूप विनाश हुआ।
  - 70,000 से अधिक लोगों की मृत्यु तत्काल हो गई और अंततः मरने वालों की संख्या 100,000 से अधिक हो गयी।
- **9 अगस्त, 1945** को, हिरोशिमा के विनाश का पता चलने से पहले ही, **अमेरिका ने नागासाकी पर "फैट मैन" नामक परमाणु गिरा दिया,** जिसके परिणामस्वरूप कम-से-कम 40,000 लोगों की तत्काल मृत्यु हो गई तथा अगले कुछ दिनों और हफ्तों में हज़ारों लोग मारे गए।
  - **जापानी सम्राट हिरोहितो ने 15 अगस्त को जापान के आत्मसमर्पण** की घोषणा की। अपने भाषण में उन्होंने चेतावनी दी कि युद्ध जारी रखने से "जापानी राष्ट्र का पतन और विनाश होगा" जिससे "मानव सभ्यता का पूर्ण विनाश" हो सकता है।

हिबाकुशा परमाणु निरस्त्रीकरण का समर्थन कैसे करता है?

- गंभीर मानवीय क्षति के कारण, परमाणु बम गिराने के संयुक्त राज्य अमेरिका के निर्णय की सामरिक और नैतिक दोनों दृष्टिकोणों से आलोचना हुई है।
  - परमाणु बम विस्फोटों ने वैश्विक परिदृश्य को बदल दिया, जिससे प्रमुख शक्तियाँ संयुक्त राज्य अमेरिका के विरुद्ध निवारक के रूप में **अपने स्वयं के परमाणु शस्त्रागार विकसित** करने की ओर केंद्रित हो गई हैं।
- इस परमाणु हथियारों के विकास के परिणामस्वरुप, परमाणु निरस्त्रीकरण के लिये एक वैश्विक आंदोलन उभरा, जिसमें **हिबाकुशा ने निरस्त्रीकरण का समर्थन करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।**
- निहोन हिदानक्यो का दावा है कि वह " हिरोशिमा और नागासाकी के **परमाणु बम से बचे लोगों का एकमात्र राष्ट्रव्यापी संगठन** है।"
  - उनके प्राथमिक उद्देश्यों में **हिबाकुशा के कल्याण को बढ़ावा देना, परमाणु हथियारों के उन्मूलन पर ज़ोर देना तथा पीड़ितों के लिये उचित मुआवज़े की मांग करना शामिल है।**
  - संगठन ने जापान और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर परमाणु बम विस्फोटों से होने वाले नुकसान और उसके बाद के प्रभावों के बारे में **जागरूकता बढ़ाने हेतु हिबाकुशा के अनुभवों को साझा करने पर ध्यान केंद्रित** किया है।
- परमाणु विस्फोट में जीवित बचे लोगों को **संयुक्त राष्ट्र, परमाणु-सशस्त्र राज्यों और अन्य देशों के पास भेजकर उनकी कहानियाँ** बताने के उनके प्रयासों का उल्लेख नोबेल प्रशस्ति पत्र में किया गया।
- निहोन हिदानक्यो जैसे संगठनों ने **परमाणु निषेध स्थापित करने में योगदान दिया है,** जिसके कारण **वर्ष 1945 से परमाणु हथियारों के उपयोग पर**

रोक लगी हुई है।

परमाणु निरस्त्रीकरण हेतु पुरस्कृत अन्य संगठन/व्यक्ति

- **वर्ष 1901 से अब तक निरस्त्रीकरण के प्रयास हेतु कई नोबेल शांति पुरस्कार प्रदान किये** जा चुके हैं।
- वर्ष 1974 में, **जापान के पूर्व प्रधानमंत्री ईसाकु सातो** को **गैर-परमाणु हथियार नीति** के प्रति जापान के समर्पण हेतु यह पुरस्कार प्रदान किया गया था हुई।
- हाल ही में नोबेल शांति पुरस्कार, **वर्ष 2017 में परमाणु हथियारों के उन्मूलन हेतु अंतर्राष्ट्रीय अभियान (ICAN) को परमाणु हथियारों के उपयोग के भयावह मानवीय परिणामों को उजागर करने के प्रयासों** और ऐसे हथियारों को प्रतिबंधित करने के लिये एक संधि की दिशा में अग्रणी कार्य के लिये दिया गया था।
    - ICAN ने परमाणु हथियारों के प्रभावों का दस्तावेज़ीकरण करने के लिये **निहोन हिदानक्यो के साथ सहयोग** किया है।

अन्य नोबेल पुरस्कार 2024

- **साहित्य:** दक्षिण कोरियाई लेखक हान कांग
- **भौतिकी:** जॉन जे. हॉपफील्ड और जेफ्री ई. हिंटन
- **फिजियोलॉजी या मेडिसिन:** विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन
- **रसायन विज्ञान:** डेविड बेकर, डेमिस हसाबिस और जॉन एम. जम्पर

//

नोबेल पुरस्कार (Nobel Prize)

- **अल्फ्रेड नोबेल (डायनामाइट के आविष्कारक)** के वसीयतनामे के अनुसार स्थापित।
- यह पुरस्कार उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने **पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान मानव जाति को अधिकतम लाभ** प्रदान किया है।
- **पहली बार** ये पुरस्कार **वर्ष 1901 में** दिये गए।
- **पुरस्कार 6 श्रेणियों में दिये जाते हैं:**

भौतिकी
रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज

रसायन
रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज

फिजियोलॉजी या चिकित्सा
कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट की नोबेल असेंबली

साहित्य
स्वीडिश एकेडमी

शांति
नार्वे की नोबेल कमेटी

अर्थशास्त्र (स्वीडन के सेंट्रल बैंक द्वारा 1968 में स्थापित)
रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज

- पुरस्कार समारोह का आयोजन **हर साल** दिसंबर में **स्टॉकहोम, स्वीडन** में किया जाता है।
  - **शांति पुरस्कार** स्टॉकहोम समारोह में नहीं दिया जाता है बल्कि यह हर साल उसी दिन **ओस्लो, नॉर्वे** में दिया जाता है।
- प्रत्येक नोबेल पुरस्कार विजेता **एक स्वर्ण पदक, एक डिप्लोमा और एक मौद्रिक पुरस्कार** प्राप्त करता है।
- नोबेल पुरस्कार **मरणोपरांत नहीं दिया जा सकता** है। साथ ही साझा रूप से अधिकतम **3** लोगों को ही नोबेल पुरस्कार दिया जा सकता है।
- **नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रथम भारतीय: रवींद्रनाथ टैगोर**, साहित्य के लिये **(1913)**
  - **नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाली प्रथम भारतीय महिला: मदर टेरेसा**, शांति के लिये **(1979)**

दृष्टि The Vision

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

???????????:

प्रश्न. नम्निलखिति में से कसि वैज्ञानकि ने अपने बेटे के साथ भौतिकी का नोबेल पुरस्कार साझा कयिा? (2008)

(a) मैक्स प्लैंक
(b) अल्बर्ट आइंस्टीन
(c) वलियिम हेनरी ब्रैग
(d) एनरकिो फर्मकि

उत्तर: (c)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/nobel-peace-prize-2024